इरेडा और एमसीसीएआई ने मिलकर पुणे में "नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से हरित भारत" पर एक कार्यशाला आयोजित की

# इरेडा ने महाराष्ट्र में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 14,445 करोड़ रूपये का ऋण मंजूरी और 10,018 करोड़ रूपये का ऋण संवितरित किया

# इरेडा के सीएमडी ने उद्योग जगत के उद्यमियों से हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करने का आग्रह किया

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने महाराष्ट्र के चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज एंड एग्रीकल्चर (एमसीसीएआई) के साथ मिलकर 20 मई, 2022 को पुणे, महाराष्ट्र में "नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से हरित भारत" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने अपने मुख्य भाषण में, महाराष्ट्र के उद्योग जगत के उद्यमियों और निवेशकों से अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र पर ध्यान देने और आरई परियोजनाओं में निवेश करने का आग्रह किया, जिससे न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन करते हैं बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को भी कम करते हैं जिसके फलस्वरूप जीवन की गुणवत्ता में सुधार होते हैं। माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, और महाराष्ट्र अपनी हरित ऊर्जा क्षमता का उपयोग करके इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

श्री दास ने महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों में नवीकरणीय आरई परियोजनाओं के विकास के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, यह देखते हुए कि इरेडा द्वारा स्वीकृत कुल ऋण 1,20,946 करोड़ रूपये में से महाराष्ट्र में 422 आरई परियोजना खातों के लिए 14,445 करोड़ रूपये मंजूर किए गए। कंपनी ने कुल ऋण संवितरण 79,446 करोड़ रूपये में से महाराष्ट्र में 10,018 करोड़ रूपये का ऋण संवितरण किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इरेडा ने महाराष्ट्र में, 12 आरई परियोजना खातों के लिए 2,564 करोड़ रूपये का ऋण मंजूरी किया और 1362 करोड़ रूपये ऋण संवितरित किया।

इरेडा के सीएमडी ने कोविड-19 महामारी के बावजूद पिछले दो वर्षो के दौरान कंपनी की असाधारण वित्तीय उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कंपनी के ऐतिहासिक वित्तीय परिणाम सभी विभागों के सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं होते। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इरेडा एकमात्र सीपीएसई हो सकता है जिसने मार्च समाप्त होने के केवल 30 दिनों के बाद, 30 अप्रैल 2022 को अपना लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम प्रकाशित किया। ऐसी

उत्कृष्ट उपलब्धियों के पीछे प्रेरक तत्व टीम वर्क, ईमानदारी, पारदर्शिता और हितधारकों के प्रति प्रतिबद्धता है।

इसके संबंध में थीम प्रस्तुति इरेडा के निदेशक (तकनीकी), श्री चिंतन शाह द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि भारत आरई मैन्युफैक्चरिंग और स्टोरेज मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक इकोसिस्टम बनाकर आरई सेक्टर के परिदृश्य को बदल सकता है। अन्य आरई क्षेत्रों के अलावा, इरेडा प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर आरई मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी वित्तपोषण कर रहा है। इससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

एमसीसीएआई के महानिदेशक, श्री प्रशांत गिरबाने ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि अक्षय ऊर्जा के माध्यम से भारत को हरित बनाना ऊर्जा लागत में कमी के साथ-साथ रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

उद्योगों की ओर से, एमसीसीएआई के उपाध्यक्ष, श्री दीपक करंदीकर और महाराष्ट्र सोलर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एमएएसएम) के अध्यक्ष, श्री राजेश मुथा ने कहा कि आरई क्षेत्र के विकास के लिए कई चुनौतियां हैं।

प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, इरेडा के सीएमडी और इरेडा निदेशक (तकनीकी) ने श्रोतागणों के सभी सवालों के जवाब दिए।